

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW, AHMEDABAD, SURAT

वर्ष : 02
अंक : 192
दि. 10.11.2026, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
LUACKNOW EDITION

बिहार को पीएम मोदी देंगे 2 बड़े तोहफे: 1243 एकड़ में बनेगा इंडस्ट्रियल पार्क, 6-लेन पुल की भी मिलेगी सौगात

(जीएनएस)।

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 नवंबर के बिहार दौरे को लेकर एनडीए के सभी घटक दल प्रखंड से लेकर प्रदेश स्तर तक अपने-अपने दल के लोगों को सक्रिय कर रहे हैं।

जदयू प्रदेश कार्यालय में सोमवार को जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक, हम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार व रालोमो के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चंद्र चंद्रवंशी ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब-जब बिहार का दौरा किया है उन्होंने बिहार को कुछ न कुछ सौगात दिया है। इस बार भी वह बिहार को सौगात देंगे।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री का बिहार दौरा उस समय हो रहा जब बिहार में एनडीए की नयी सरकार के एक वर्ष पूरे हो रहे हैं। अपने बिहार दौरे में प्रधानमंत्री वैशाली के जाफरपट्टी में 1243 एकड़ में औद्योगिक पार्क की आधारशिला रखेंगे। वह कच्ची दरगाह-बिदपुर छह ले पुल का उद्घाटन भी करेंगे। उनका दौरा ऐतिहासिक रहेगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा



कि जाफरपट्टी में औद्योगिक पार्क से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार के साथ विश्वास व विकास का रिश्ता है।

उन्होंने बिहार के संसाधन और विकास को नई दिशा दी है। केंद्र सरकार के प्रयास से बिहार के विकास को नयी गति मिली है। लोजपा (रा) के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस दौरे से एनडीए के सभी घटक दल के प्रखंड से प्रदेश स्तर के लोगों को जोड़ा गया है।

हम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार दो दशक में चारों ओर विकास हुआ। अब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में काम हो रहा है। रालोमो के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

'इससे ज्यादा क्या मांग सकती हूं', आडवाणी की 100वें जन्मदिन पर भावुक हुई बेटी प्रतिभा, पीएम मोदी-आरएसएस का जताया आभार

,,

नई दिल्लीः पूर्व उप प्रधानमंत्री और भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी की 100 वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित समारोह में उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी ने खुशी जाहिर की। उन्होंने इस मौके पर आयोजित यज्ञ को लेकर आभार जताया और आयोजन में शामिल होने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया।



रविवार को प्रतिभा आडवाणी ने कहा कि वह इस आयोजन से बेहद खुश हैं और परिवार खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा है कि वह इस यज्ञ का आयोजन कर सका। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं, केंद्रीय नेतृत्व और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन जी का आभार जताया।

पीएम मोदी का किया धन्यवाद

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी विशेष रूप से जिक्र किया, जो शाम को इस समारोह में शामिल होने वाले हैं। प्रतिभा ने कहा, 'मैं सभी का दिल से धन्यवाद करती हूं। प्रधानमंत्री भी आज शाम यहां पहुंचेंगे। इससे ज्यादा मैं और क्या मांग सकती हूं?'

प्रतिभा आडवाणी ने कहा कि इस अवसर पर पूरा परिवार एक साथ मौजूद है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, आडवाणी का व्यक्तिगत परिवार और उनका वैचारिक परिवार भी एक साथ आया है। उन्होंने इसे अपने परिवार के लिए बेहद खुशी और कृतज्ञता का क्षण बताया।

बीजेपी ऑफिस में किया गया कार्यक्रम

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने रविवार को आडवाणी के 100वें जन्मदिन के अवसर पर विशेष पूजा और हवन का आयोजन किया। यह धार्मिक कार्यक्रम भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित किया गया, जहां नेताओं ने आडवाणी के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखद जीवन के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में प्रतिभा आडवाणी भी शामिल हुईं।

इस अवसर पर नेताओं ने आडवाणी के लंबे राजनीतिक जीवन और भाजपा के निर्माण तथा विस्तार में उनके योगदान को याद किया।

पीएम मोदी ने लिखा लेख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मौके पर एक विस्तृत लेख लिखकर आडवाणी के जीवन, राजनीतिक यात्रा और देश के लिए उनके योगदान को याद किया। अपने लेख में प्रधानमंत्री ने आडवाणी के जीवन और राजनीतिक करियर के कई महत्वपूर्ण पड़ावों का उल्लेख किया और कहा कि उनका सफर आधुनिक भारत के इतिहास के कई अहम अध्यायों से जुड़ा रहा है।

पीएम मोदी ने गुजराती नववर्ष पर दीं शुभकामनाएं, बोले- 'सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाए नया साल'

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजराती नववर्ष यानी बेस्टू वर्ष के पावन दिन के शुभारंभ पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि नए वर्ष का यह पावन प्रारंभ सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की नई आशाएं लेकर आए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "नूतन वर्षाभिनंदन। नए साल की यह शुभ शुरूआत आप सभी के जीवन में खुशी, शांति, समृद्धि और खुशहाली की नई उम्मीदें लेकर आए। मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ हैं कि आप सभी का जीवन उत्तम स्वास्थ्य, आनंद और उत्साह से भरा रहे।"

बता दें कि आज गुजराती नववर्ष यानी बेस्टू वर्ष के पावन दिन से विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ हुआ है। सनातन धर्म में बेस्टू वर्ष यानी नववर्ष का दिन अत्यंत पवित्र और शुभ माना जाता है। दीपावली के अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से विक्रम संवत के नए वर्ष की शुरूआत होती है। पुराने वर्ष को विदाई देकर नए वर्ष का स्वागत किया जाता है।

इस दिन श्रद्धालु अपने आराध्य देव के दर्शन कर पूरे वर्ष सुख, शांति, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली बनी रहे, ऐसी प्रार्थना करते हैं। साथ ही जीवन में अच्छे विचारों, सत्कर्म, सेवा, परोपकार और धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प भी लेते हैं।

उधर, बेस्टू वर्ष के पावन दिन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर के सेक्टर 22 स्थित पंचदेव मंदिर का दौरा किया, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना और आरती की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि विक्रम संवत 2083 की शुरूआत पर मैं सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने कहा, "मैंने ईश्वर से प्रार्थना की है कि सभी का स्वास्थ्य उत्तम रहे और उनका जीवन सुख, शांति और समृद्धि के साथ आगे बढ़े। प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' और 'नशामुक्त भारत' के विजन को ध्यान में रखते हुए, मुझे उम्मीद है कि हम सब मिलकर 'विकसित गुजरात' और 'नशामुक्त गुजरात' की दिशा में काम करेंगे।"

'उन्होंने हमें नक्सली कहा', राहुल गांधी ने पीएम मोदी के बयान पर किया पलटवार; फिर दोहराई डिबेट की चुनौती

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिमागी नक्सल वाली टिप्पणी को लेकर एक बार फिर पलटवार किया है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को आमने-सामने की सार्वजनिक बहस की चुनौती को



दोहराते हुए कहा कि पीएम मोदी को उनके साथ देश-विरोधी और विदेशी ताकतों के इशारों पर काम करने वाले मुद्दों पर खुली बहस करनी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी ने लिखा, डियर @उफ्दाऋ आपके चेहरों से सब कुछ साफ पता चल रहा था, आपने प्रधानमंत्री के झूठ पर यकीन नहीं किया। उन्होंने हमें नक्सली कहा।

जवान उनके 'झूठ' पर भरोसा नहीं करतेः राहुल गांधी ने पीएम मोदी को फिर दी बहस की चुनौती

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बात पर बहस करने की चुनौती दी है कि कौन देशद्रोही है और कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर चल रहा है.

पीएम मोदी की "दिमागी नक्सल" वाली टिप्पणी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि उफ्दाऋके जवान उनके "झूठ" पर यकीन नहीं करते. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने "हमें नक्सल कहा", लेकिन बहस के बाद, पीएम मोदी में "फिर से एक भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं होगी".

उफ्दाऋजवानों को संबोधित अपनी एक्स पोस्ट में, राहुल गांधी ने कहा, "प्रिय @१स्माल्र्ल के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं. उन्होंने हमें नक्सली कहा. मेरी चुनौती



कायम है. वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन चल रहा है. कोई भी समय, किसी भी जगह. मेरी गारंटीः उस बहस के बाद प्रधानमंत्री में एक भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं होगी."

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई, जिसमें उन्होंने राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा था कि हथियारबंद माओवादियों को तो खत्म कर दिया गया है, लेकिन 'दिमागी नक्सलियों' ने कई राजनीतिक दलों और संगठनों में घुसपैठ कर ली है और वे लोगों को संविधान तथा लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर में एक उफ्दाऋकैंप में सुरक्षाकर्मियों के साथ दिवाली मनाते हुए कहा, "हमें ऐसे तत्वों की पहचान कर उन्हें हराना होगा और देश को सुरक्षित करना होगा."

इधर पीएम मोदी-जेलेंस्की की बातचीत, उधर जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री को घुमाया फोन, क्या हुई चर्चा?

भारत-रूस के विदेश मंत्रियों की बातचीत ऐसे दिन हुई, जब ढट नरेंद्र मोदी ने खुद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की से भी फोन पर बात की और संघर्ष के समाधान में भारत की भागीदारी को दोहराया.

(जीएनएस)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार (9 नवंबर, 2026) को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से फोन पर बातचीत की. इस दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच यूक्रेन संघर्ष और इसे खत्म करने के लिए चल रही राजनयिक पहलों पर विस्तार से बातचीत की.

उन्होंने रूसी विदेश मंत्री से बातचीत से जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर दी. जयशंकर ने अपने पोस्ट में कहा, 'आज शाम रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बातचीत हुई. हमारी चर्चा का मुख्य विषय यूक्रेन संघर्ष और इस दिशा में जारी कूटनीतिक पहल रहीं.'

भारत और रूस के विदेश मंत्रियों की बातचीत ऐसे दिन हुई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की से भी फोन पर बात की. इस दौरान उन्होंने एक बार फिर से इलाके में संघर्ष के



शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में की जा रही सभी कोशिशों में भारत की भागादारी को दोहराया.

यूक्रेनी राष्ट्रपति से क्या बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी?

प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) की तरफ से जारी किए बयान में कहा गया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से भारत के मानव-केंद्रित नजरिए को दोहराते हुए कहा कि भारत का लगातार यही रुख रहा है कि इस संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए होना चाहिए. उन्होंने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए की जा रही सभी कोशिशों में योगदान देने की भारत की संकल्प को भी जताया.'

जेलेंस्की से फोन पर बातचीत के बाद बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा, 'मैंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की को चल रहे संघर्ष, इसके मानवीय पहलूओं और शांति बहाल करने को अलग-अलग कोशिशों पर उनके विचारों साझा करने के लिए धन्यवाद दिया. मैंने शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दोहराया.'

PM मोदी से बातचीत के बाद क्या बोले जेलेंस्की?

वहीं, दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की के ऑफिस की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, भारत खाद्य आपूर्ति के लिए सुरक्षित फूड कॉरिडोर को बनाने में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है और यूक्रेन इस दिशा में भारत की लगातार कोशिशों की उम्मीद कर रहा है.

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा- ₹पीएम मोदी रेत पर लिखा नाम नहीं, जो मिट जाए; मिटाने वाले खुद मिट जाएंगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवार और उनके स्वर्गीय पिता को लेकर दिए गए विवादित बयान पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पलटवार किया

(जीएनएस)।

संभलः उत्तर प्रदेश के संभल जिले स्थित प्रसिद्ध श्री कल्कि धाम से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवार और उनके स्वर्गीय पिता को लेकर दिए गए विवादित बयान पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पलटवार किया है.

दीपावली के पावन अवसर पर श्री कल्कि धाम में दीप प्रज्वलित करते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया और प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया. उनका यह बयान इस समय राजनीतिक गलियारों में चर्चा का मुख्य केंद्र बन गया है.

रेत पर लिखा नाम नहीं हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीः दीपावली की जगमगाती रोशनी के बीच आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मीडिया और लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई रेत पर लिखा ऐसा नाम नहीं हैं, जिसे विरोधियों की लहरें



आसानी से मिटा सकें. उन्होंने भगवान श्रीराम का गहरा उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह भगवान श्रीराम को देश के जनमानस और आस्था से कभी अलग नहीं किया जा सकता, उसी तरह नरेंद्र मोदी भी आज करोड़ों भारतीयों के संकल्प बनकर उभर चुके हैं. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री मोदी को मिटाने की बात सोचते हैं, वे खुद ही मिट जाएंगे लेकिन मोदी का अस्तित्व हमेशा कायम रहेगा.

विपक्ष के बयानों पर निशाना और कल्कि धाम का संदेशः मूल रूप से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर एक टिप्पणी की थी, जिसके बाद से राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है. इसी बयान पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि श्री कल्कि धाम के गर्भगृह की इन पवित्र शिलाओं पर जलते हुए दीपों की रोशनी से यही संदेश साफ मिलता है कि मोदी कहीं नहीं जाने वाले हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री का नाम देश की विकास यात्रा और भारतीय संस्कृति के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है. इस तरह दीपावली के पर्व पर आचार्य प्रमोद कृष्णम के इस तीखे बयान ने राजनीतिक सरगर्मी को और अधिक बढ़ा दिया है.

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अहमदाबाद में इस्कॉन-साणंद एलिवेटेड कॉरिडोर का लोकार्पण किया

अनुमानित 464 करोड़ की लागत से तैयार किया गया 4.03 किलोमीटर लंबा और 26.8 मीटर चौड़ा 6-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर नूतन वर्ष के प्रारंभ से पूर्व शहरवासियों को बड़ी भेंट, समय और ईंधन की होगी बचत;

सरखेज-गांधीनगर हाईवे पर ट्रैफिक की समस्या से मिलेगी मुक्ति

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 09 नवंबर : केन्द्रीय



गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सोमवार को अहमदाबाद में इस्कॉन जंक्शन से साणंद फ्लाईओवर तक नवनिर्मित इस्कॉन-साणंद एलिवेटेड कॉरिडोर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, शहरी विकास राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, अहमदाबाद के महापौर श्री हितेशभाई बारोट, विधायक श्री अमितभाई ठाकर और श्री बाबुभाई पटेल सहित महानुभाव उपस्थित रहे।

नूतन वर्ष के प्रारंभ से पूर्व यातायात के लिए खोला गया यह 6-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर अहमदाबाद के नागरिकों और वाहन चालकों के लिए एक बेहतरीन भेंट साबित होगी। सरखेज-गांधीनगर हाईवे पर लगातार बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने के उद्देश्य से तैयार किए गए इस कॉरिडोर से नागरिकों को ट्रैफिक जाम की समस्या से स्थायी मुक्ति मिलेगी तथा समय और ईंधन की भी बड़ी बचत होगी। सरखेज से गांधीनगर के बीच का संपर्क अब पूरी तरह बाधारहित और सुरक्षित बनेगा। उल्लेखनीय है कि सरखेज-गांधीनगर हाईवे (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 147) पर कर्णावती क्लब, प्र'ादनगर और वायएमसीए जैसे अत्यंत व्यस्त जंक्शनों से होकर गुजरने वाला यह कॉरिडोर यातायात के प्रवाह को सुगम बनाएगा। यात्रा का समय कम होने के साथ ही वाहन संचालन लागत (वीओसी) में कमी आएगी; जिससे आर्थिक लाभ होगा।

अवकाश की सूचना

हमारा कार्यालय नव-वर्षाभिनंदन, भाई दूज और तीज त्योहार के उपलक्ष्य में 10, 11 और 12 नवम्बर 26 को बंद रहेगा। इसलिए, समाचार पत्र 11, 12 और 13 नवम्बर को उपलब्ध नहीं होगा। अगला अंक 14 नवम्बर, 2026, शनिवार से यथावत प्रकाशित होगा।

- सम्पादक



सम्पादकीय

ट्रंप के तंज के बाद भी जनता ने जिताया डेमोक्रट उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद को

इस अब्दुल ने तो ट्रंप की चूल्हें हिला दीं, भारत के एक नेता ने चुनावी रैली में अल्पसंख्यकों पर तंज कसते हुए कहा था कि यहां तो अब्दुल पंचर लगाता है। पर अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में अमेरिका के एक अब्दुल ने तो डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पाटी की चूल्हें हिला डाली। बात हो रही डेमोक्रेटिक पाटी के उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद की। अमेरिकी राज्य मिशिगन से डेमोक्रेटिक पाटी के सीनेट उम्मीदवार के तौर पर जीत दर्ज करने वाले अब्दुल अल सैयद ने अमेरिका के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। अमेरिकी सीनेट में जीतने वाले अब्दुल अल सैयद पहले मुस्लिम सीनेटर बन गए हैं। अमेरिका की मिशिगन राज्य से डेमोक्रेटिक पाटी से जीतने वाले अब्दुल का भारत के कर्नाटक के तटीय इलाके से खास पारविारिक रिश्ता है। उनकी पत्नी डाक्टर सारा के दादा जनाब जुकावू शमसुद्दीन वह शख्स थे, जिन्होंने उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल में बिजली पहुंचाई थी और वह इस इलाके के पहले वकील भी थे। बाद में वह मुख्यमंत्री बी.डी. जत्ती (1958-1962) की सरकार में उपमंत्री बने थे। पेशे से डाक्टर अल सैयद अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बन गए हैं। उन्हें इन चुनावों में 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी रिपब्लिकन पाटी के माइक रोजर्स को करीब 45 फीसदी वोट ही मिल सके। सैयद ने इससे पहले कोई भी राजनीतिक पद नहीं संभाला। उनका परिवार नवांचल मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखता है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान उनके खिलाफ चलाए गए अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए अल सैयद ने कहा, सुनिए, मेरी शादी एक दक्षिण भारतीय परिवार में हुई है। इस शादी को 20 साल हो चुके हैं। अब तो मैं इस परिवार में पूरी तरह घुल मिल गया हूं। आपको शायद नहीं पता होगा कि हो सकता है मैं अरब से ज्यादा भारतीय हूं। अल सैयद कुछ साल पहले भटकल और वैंगलूरू आए थे। अब्दुल अल सैयद ने अपनी जीत का क्रेडिट अपनी पत्नी डाक्टर सारा को भी दिया। सारा और सैयद दोनों रोड्स स्कॉलर थे। अल सैयद ने मिशिगन यूनिवर्सिटी और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई की और महामारी विज्ञान में विशेषज्ञता हासिल की। सैयद के एक रिश्तेदार ने बताया कि सैयद बहुत प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं और सभी लोगों की स्थिति बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं। वह एलजीबीटीक्यू समुदाय समेत सभी के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। डेमोक्रेटिक पाटी के प्रगतिशील नेता अल सैयद ने 2026 के मिडटर्म चुनाव के सबसे महंगे और धुव्रीकरण वाले मुकाबले में से एक में मिली इस जीत पर देशभर में प्रगतिशील विचारधारा वाले नेताओं को बड़ी मजबूती मिल सकती है। बता दें कि इससे पहले डाक्टर अल सैयद ने कभी भी कोई सियासी पद नहीं संभाला। चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें जेहादी तक कह दिया था, जिसके लिए ट्रंप की काफी आलोचना भी हुई थी। चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों में स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई, जब उनकी डेमोक्रेटिक सहयोगी ट्रेली स्टीवंस ने उनके विरोधी रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर के लिए समर्थन की घोषणा कर दी। अल सैयद ने रविवार एक नवम्बर को पत्रकारों से कहा था : यह एक करोड़ लोगों का राज्य है जो अपनी सरकार से बहुत बेहतर व्यवहार के हकदार हैं। मेरा बयान उन 9,999,998 लोगों पर अधिक केन्द्रित है, जिनके बारे में आप लोग बात नहीं करते। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा सहित कई उदारवादी नेताओं ने भी उनका समर्थन किया। मिशिगन में जीत अमेरिकी सीनेट पर नियंत्रण हासिल करने की पार्टी की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अल सैयद ने वामपंथी मंच पर भी चुनाव प्रचार किया है, जिसमें इजरायल की जमकर आलोचना के साथ-साथ अरबपतियों पर टैक्स लगाकर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के लिए धन जुटाने जैसे मुद्दे भी शामिल हैं। 42 वषीय अल सैयद अक्सर कहते हैं कि वह अमेरिकी टैक्स का इस्तेमाल किसी पर बम गिराने के लिए विदेशों में भेजने के बजाए स्वूल और अवसर बनाने के लिए करना चाहते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके खासमखास एलोन मस्क ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया, मस्क ने तो लाखों डालर लूटा दिए पर फिर भी इस अब्दुल की उनकी चूल्हें हिलाने से नहीं रोक पाए।

लालकृष्ण आडवाणी के 100वें जन्मदिन पर पीएम मोदी ने लिखा लेख, उनके जीवन और योगदान को किया याद

(जीएनएस)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी रविवार को 99 वर्ष के हो गए। उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने एक लेख के माध्यम से देश और पार्टी के निर्माण में आडवाणी के योगदान को रेखांकित करते हुए उनके सार्वजनिक जीवन और नेतृत्व की सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आर्टिकल में लिखा, 'ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम हैं, जिनके जीवन में आधुनिक भारत के इतिहास के इतने सारे अध्याय समाए हों। उनका जन्म 8 नवंबर, 1927 को देव दीपावली के दिन हुआ था। 1947 में, जब वे युवा थे, तब उन्हें विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। सिंध में अपना घर, अपना परिवेश, अपनी जानी-पहचानी दुनिया छोड़कर उन्हें आना पड़ा। सब कुछ पीछे छूट गया और जीवन की नई शुरूआत शून्य से करनी पड़ी। लेकिन इस कठिन अनुभव को लेकर उनके मन में कभी कोई कड़वाहट या पछतावा नहीं रहा।'

पीएम ने लिखा, 'कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न हों, नए सिरे से कुछ खड़ा करने का उनका ये संकल्प जीवनभर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत बनाने और बाद में भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में भी उनका यही गुण सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल में देश की राजनीति ने बड़े बदलाव देखे। 1989 में कांग्रेस की सीटें 400 से घटकर 200 से भी नीचे आ गईं। 1996 में भाजपा पहली बार देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उन्होंने कार्यकताओं की अनेक पीढ़ियों को तैयार किया। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर पार्टी की मजबूत नींव रखी।'

प्रधानमंत्री ने आर्टिकल में लिखा, 'यहां मैं उनके व्यक्तित्व की दो ऐसी विशेषताओं का उल्लेख करना चाहूंगा, जो एक नेता के रूप में उन्हें अलग पहचान देती हैं। पहली है, उनकी वैचारिक स्पष्टता और बौद्धिक प्रखरता। उनके भाषणों और लेखन में इसकी झलक साफ दिखाई देती थी। जनसंघ और भाजपा के लिए उन्होंने जो प्रस्ताव लिखे, वे आज भी पढ़ने और समझने योग्य हैं। उनके इंटरव्यू में भी विचारों की गहराई के साथ शब्दों की स्पष्टता और सटीकता दिखाई देती थी। दूसरी विशेषता थी, भारतीय राजनीति में लंबे समय तक हावी रही छद्म धर्मनिरपेक्षता को लेकर उनका स्पष्ट और निर्भीक रुख।



उन्होंने देश के राजनीतिक विमर्श में इस प्रवृत्ति की वास्तविकता को उजागर किया।'

प्रधानमंत्री ने लिखा, 'उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने सबसे पहले राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया। इसके बाद वे दिल्ली आए, जहां उन्हें अटल जी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। इसके बाद की कहानी तो इतिहास का हिस्सा बन चुकी है। दोनों ने दशकों तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। आडवाणी के लिए अटल बिहारी वाजपेयी हमेशा उनके नेता और मार्गदर्शक रहे।'

प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, 'राजनीति के इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं, जब दो बड़े कद के नेता इतने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हों। अक्सर समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं और साथ चलने वाले नेता भी अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी का साथ अपने आप में एक अनूठी मिसाल है। इतिहास साक्षी है, पांच-छह दशकों की इस लंबी यात्रा में दोनों एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। एक-दूसरे के प्रति उनका विश्वास और सम्मान हमेशा बना रहा। अटल बिहारी के जीवन के अंतिम समय तक ये साथ कायम रहा। भारतीय राजनीति में आपसी विश्वास, सहयोग और समर्पण की ये परंपरा आज भी एक बड़ी प्रेरणा है।'

पीएम ने लिखा, 'लालकृष्ण आडवाणी जब दिल्ली आए थे, तब ये शहर विभाजन की विभीषिका से उबरने का प्रयास कर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने जनसंघ को मजबूत बनाने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। 1967 में वे दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय विजय कुमार मल्होत्रा के साथ मिलकर काम किया, जो मुख्य कार्यकारी पार्षद बने थे।'

उन्होंने लिखा, 'एक सांसद के रूप में आडवाणी की यात्रा 1970 के दशक से शुरू हुई। संसद में उनकी सक्रिय भागीदारी की आज भी सराहना होती है। एक सांसद के रूप में, दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के रूप में और सत्ता पक्ष में रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। संसदीय जिम्मेदारियों में व्यस्त रहने के बावजूद वे लगातार देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते रहे, लोगों से मिलते रहे और उनसे संवाद करते रहे।'

पीएम ने लिखा, '1991 के लोकसभा चुनाव की स्मृतियां आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय तय हुआ था कि आडवाणी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। आडवाणी का गुजरात से बहुत पुराना नाता रहा है। विभाजन के बाद उनके पिताजी कच्छ में आकर बसे थे। 1976 में, जब देश में आपातकाल अपने चरम पर था, तब वे गुजरात से राज्यसभा सांसद भी बने थे। इस तरह 1991 में गांधीनगर से चुनाव लड़ना उनके लिए एक तरह से घर वापसी जैसा था।'

मन का अदृश्य बोझः खुश रहने के लिए कुछ पाने से ज्यादा, कुछ छोड़ना जरूरी है?

एक छोटी बच्ची अपने दादाजी के साथ घर लौट रही थी. अचानक उसके जूते में एक छोटा-सा कंकड़ आ गया. कुछ कदम चलते ही वह रुकती और दर्द की शिकायत करती. दादाजी ने पूछा, 'कंकड़ निकाल क्यों नहीं देती?

बच्ची बोली, 'क्योंकि मुझे जल्दी घर पहुंचना है. दादाजी मुस्कुराए, 'लेकिन कंकड़ के कारण ही तो तुम धीरे चल रही हो. बच्ची सड़क किनारे बैठी, जूता उतारा और झटका. एक छोटा-सा कंकड़ बाहर गिरा. अब वह आराम से चलने लगी. थोड़ी देर बाद उसने पूछा, 'दादाजी, मैंने इसे पहले क्यों नहीं निकाला? दादाजी बोले, 'कभी-कभी हम अपनी परेशानी ढोने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि भूल जाते हैं कि उसे दूर भी किया जा सकता है.

खुश रहने के लिए क्या करना चाहिए? सवाल छोटा है, लेकिन नब्बे साल जी चुका इंसान भी इसका जवाब खोजता रह सकता है. हम खुशी को रिश्तों, सफलता, पैसों और जगहों में तलाशते हैं. सोचते हैं, यह परेशानी खत्म हो जाए, कोई अपना लौट आए, पर्याप्त पैसे मिल जाएँ या जिंदगी आसान हो जाए, तो खुश हो जाएंगे. लेकिन एक चिंता जाती है और दूसरी आ जाती है. शायद खुशी इसलिए मुश्किल नहीं कि जिंदगी हमें कम देती है, बल्कि इसलिए कि हमारा मन जरूरत से ज्यादा बोझ उठाए रहता है.

बीते हुए कल की तकलीफ

इस बोझ में अक्सर दो बातें होती हैं. एक, बीते हुए कल की तकलीफ. दूसरी, आने वाले कल का डर. बीता कल बताता है कि क्या गलत हुआ था. आने वाला कल डराता है कि फिर क्या गलत हो सकता है. इनके बीच आज का दिन चुपचाप हमारा इंतजार करता रहता है. हम बीते कल में लौटकर घटनाएं बदल नहीं सकते. आने वाले कल में जाकर हर खतरा भी नहीं मिटा सकते. फिर भी हमारा मन बार-बार इन्हीं दो जगहों पर भटकता है और आज की जिंदगी के लिए बहुत कम जगह छोड़ता है.

हर किसी की नीयत पर शक



एक आदमी को वर्षों पहले उसके करीबी दोस्त ने धोखा दिया था. अब वह उस दोस्त से बात नहीं करता, लेकिन जब भी कोई उसके साथ अच्छा व्यवहार करता है, पुरानी घटना याद आ जाती है. वह हर किसी की नीयत पर शक करता है और लोगों से दूरी रखता है. उसे लगता है कि वह खुद को दोबारा धोखा खाने से बचा रहा है. कुछ हद तक यह सही भी है. लेकिन वह उस इंसान को, जो वर्षों पहले उसकी जिंदगी से जा चुका है, आज भी उन लोगों के साथ अपने व्यवहार को प्रभावित करने दे रहा है जिन्होंने उसका कुछ नहीं बिगाड़ा. पहला घाव किसी और ने दिया था. उसके चारों ओर दीवारें अब वह खुद बना रहा है.

हमें बचाने की कोशिश

हमारा मन कभी-कभी बड़े अजीब तरीके से हमें बचाने की कोशिश करता है. हम दर्दनाक यादों को पकड़े रहते हैं, क्योंकि लगता है कि उन्हें याद रखने से दोबारा वही दुख नहीं होगा. भविष्य की हर अनहोनी सोचते रहते हैं, क्योंकि लगता है कि चिंता करने से तैयारी हो जाएगी. यादों से सीखना जरूरी है और भविष्य की तैयारी भी. लेकिन एक समय ऐसा आता है, जब सीखना खुद को लगातार सजा देने जैसा बन जाता है और तैयारी डर में बदल जाती है. तब हम यादों से जिंदगी समझने के बजाय जिंदगी पर भरोसा करना छोड़ देते हैं.

प्रियजन की मृत्यु का दुख

लेकिन हर दुख को छोड़ देना जूते से कंकड़ निकालने जितना आसान नहीं होता. कोई बच्चों की जिम्मेदारी के कारण मुश्किल रिश्ते में रहता है. कोई अपने प्रियजन की मृत्यु का दुख संभाल रहा होता है. कोई ऐसी जगह छोड़ नहीं सकता, क्योंकि दूसरा घर खरीदने की हैसियत नहीं है. ऐसे लोगों से कहना कि जो दुख दे, उसे छोड़ दो, ठीक नहीं होगा. हर तकलीफ देने वाली चीज बेकार नहीं होती और हर खुशी देने वाली चीज अच्छी नहीं होती. बच्चे को पालना, बीमार की देखभाल करना या किसी बड़े लक्ष्य के लिए मेहनत करना कठिन होते हुए भी बहुत अर्थपूर्ण हो सकता है.

जिंदगी हमारी उम्मीदों से अलग निकली

असली सवाल यह नहीं कि किसी चीज से दुख होता है या नहीं. सवाल है कि उसे पकड़े रहने से हम जीना, प्यार करना और आगे बढ़ना सीख रहे हैं, या धीरे-धीरे इनकी ताकत खो रहे हैं. कभी-कभी हम किसी इंसान या याद को नहीं, बल्कि अपनी पुरानी पहचान को पकड़े रहते हैं. सोचते रहते हैं कि पहले कैसे थे, क्या बन जाना चाहिए था और जिंदगी कैसी होनी चाहिए थी. आज की तुलना उस भविष्य से करते हैं जिसकी कभी कल्पना की थी. जिंदगी कुछ नया और सुंदर भी दे, तो उसे पहचान नहीं पाते, क्योंकि वह हमारी पुरानी योजना जैसा नहीं होता. शायद हम हमेशा अपनी मौजूदा जिंदगी से दुखी नहीं होते. कभी दुख इस बात का होता है कि जिंदगी हमारी उम्मीदों से अलग निकली.

मैं अब भी क्या उठाए घूम रहा हूं?

आज रात खुद से पूछिए, 'मैं अब भी क्या उठाए घूम रहा हूं? जवाब की जल्दी मत कीजिए. कोई पुराना झगड़ा, कभी न मिली माफी, भविष्य का डर या यह पछतावा कि कुछ और बनना चाहिए था. फिर पूछिए, आज इससे मुझे क्या मिल रहा है? अगर इससे समझ, जिम्मेदारी या प्यार मिलता है, तो शायद इसे संभालकर रखना चाहिए. अगर केवल बार-बार दुख मिलता है, तो शायद पकड़ थोड़ी ढीली करने का समय है. तुरंत छोड़ पाना जरूरी नहीं. छोड़ने की इच्छा भी शुरूआत हो सकती है.

वह छोटी बच्ची घर पहुंची तो कंकड़ उसकी जेब में था. वह उसे मां को दिखाना चाहती थी, ताकि बता सके कि किस चीज ने उसे परेशान किया था. लेकिन अब उस कंकड़ को जूते में रखकर चलने की जरूरत नहीं थी. अगर किसी बात ने हमें एक बार दुख दिया है, तो हम उसे अपने भीतर ऐसी जगह क्यों संभालकर रखते हैं, जहां वह हमें हर दिन दोबारा दुख पहुंचा सके?

यशस्वी जायसवाल के बदले पूरन, राजस्थान के 3 खिलाड़ी जाएंगे लखनऊ! चौंका देगी ये ट्रेड डील

आईपीएल 2027 की ऑक्शन से पहले कई टीमों के बीच ट्रेड डील के जरिए खिलाड़ियों की अदला-बदली हो रही है. इस बीच राजस्थान और लखनऊ के बीच एक बड़ी ट्रेड डील की चर्चा है.

आईपीएल 2027 के लिए ट्रेड विंडो खुली हुई है. इस नियम के जरिए कई बड़े खिलाड़ियों की अदला-बदली की जा चुकी है. आईपीएल 2027 की ऑक्शन से पहले अब तक आठ ट्रेड डील की जा चुकी हैं. वहीं कुछ बड़ी डील होना बाकी हैं. मुंबई इंडियंस से हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स जाएंगे. उनकी जगह अर्शदीप सिंह पंजाब से मुंबई में आएंगे. इस डील पर मुहर लग चुकी है, लेकिन अभी इसका औपचारिक एलान नहीं हुआ है. अब एक और बड़ी ट्रेड डील सामने आई है.

रिपोर्ट के मुताबिक, यशस्वी जायसवाल राजस्थान रॉयल्स का साथ छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होंगे. वहीं लखनऊ से निकोलस पूरन या जोश इंग्लिस राजस्थान आएंगे. इस तरह लखनऊ और राजस्थान के बीच तीन खिलाड़ियों की अदला-बदली होगी.



रिपोर्ट में यशस्वी जायसवाल, संदीप शर्मा और विग्नेश पुथुर के लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होने की संभावना बताई गई है. इस ट्रेड डील के जरिए जोश इंग्लिस या निकोलस पूरन, प्रिंस यादव के साथ राजस्थान रॉयल्स में जा सकते हैं. कुछ दिन पहले राजस्थान और लखनऊ के बीच इस ट्रेड डील को लेकर चर्चा हुई है. हालांकि, अभी तक दोनों ही फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई औपचारिक एलान नहीं किया गया है.

आशुतोष शर्मा के बदले प्रसिद्ध कृष्णा

लखनऊ और राजस्थान की ट्रेड डील के अलावा दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस की एक डील भी चर्चा में है. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि गुजरात ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के बदले फिनिशर आशुतोष शर्मा को लेने की डील दिल्ली कैपिटल्स को ऑफर की है. हालांकि, इस डील का भी अभी औपचारिक एलान नहीं हुआ है.

अब तक हुई ट्रेड डील की लिस्ट

ऋषभ पंत - लखनऊ सुपर जायंट्स से दिल्ली कैपिटल्स - 15 करोड़

कुलदीप यादव - दिल्ली कैपिटल्स से लखनऊ सुपर जायंट्स - 13.50 करोड़

टी नटराजन - दिल्ली कैपिटल्स से सनराइजर्स हैदराबाद - 5 करोड़

जीशान अंसारी - सनराइजर्स हैदराबाद से दिल्ली कैपिटल्स - 40 लाख

लियाम लिविंगस्टोन - सनराइजर्स हैदराबाद से चेन्नई सुपर किंग्स - 6 करोड़

खलील अहमद - चेन्नई सुपर किंग्स से सनराइजर्स हैदराबाद - 4.8 करोड़

जैक एडवर्ड्स - सनराइजर्स हैदराबाद से चेन्नई सुपर किंग्स - 3 करोड़

नाथन एलिस - चेन्नई सुपर किंग्स से सनराइजर्स हैदराबाद - 2 करोड़

3 राज्य, तीन भाषाएं और एक बाजार. नदियों के संगम पर बसी है अनोखी 'दुनिया'

(जीएनएस)।

आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सीमा पर एक ऐसी अनोखी जगह है, जहां प्रकृति के साथ-साथ तीन राज्यों की संस्कृति, भाषा और परंपराएं भी एक-दूसरे में घुलती-मिलती हैं. यहां एक ओर साफ गहरे नीले रंग के पानी के साथ सीलरू नदी बहती है, तो दूसरी ओर मिट्टी की रंगत लिए भूरे पानी वाली शबरी नदी अपनी अलग पहचान के साथ आगे बढ़ती है.



इन दोनों नदियों का संगम अपने आप में प्रकृति का अद्भुत नजारा पेश करता है. यही इलाका तीन राज्यों की सीमाओं का मिलन स्थल भी है.

एक समय था जब इन नदियों को पार करने के लिए लोगों को नाव का इंतजार घंटों करना पड़ता था. लेकिन अब मोटू के पास बने बड़े पुलों ने इस इलाके की तस्वीर बदल दी है. अब कुछ ही मिनटों में तीन राज्यों के लोग एक-दूसरे के यहां पहुंच जाते हैं. कुंटा और मोटू जैसे इलाके आधुनिक परिवहन सुविधाओं के साथ व्यापार और सांस्कृतिक गतिविधियों के नए केंद्र बन रहे हैं.

तीन राज्यों में अलग-अलग दिन लगते हैं साप्ताहिक बाजार

इस सीमावर्ती इलाके में साप्ताहिक बाजार यानी हाट का अपना अलग आकर्षण है. बाजार के दिन पुलों पर ऑटो, पिकअप वैन और बाइक की कतारें लग जाती हैं. किसान और व्यापारी अपनी उपज लेकर यहां पहुंचते हैं.

आंध्र प्रदेश के चिंतूर में बुधवार को बाजार लगता है, जबकि छत्तीसगढ़ के कुंटा में गुरुवार और ओडिशा के मोटू में रविवार को साप्ताहिक हाट सजता है. इन बाजारों में तीनों राज्यों के लोग खरीदारी और कारोबार के लिए पहुंचते हैं.

इन हाटों की सबसे खास बात यहां सुनाई देने वाली तीन भाषाएं हैं. दुकानदार आंध्र प्रदेश के ग्राहकों से तेलुगु, छत्तीसगढ़ के लोगों से हिंदी और ओडिशा के किसानों से ओड़िया में बातचीत करते हैं. यहां तीनों भाषाएं लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं.

बाजार में दिखती है तीन राज्यों की झलक

इन साप्ताहिक बाजारों में तीनों राज्यों की कृषि विविधता भी देखने को मिलती है. आंध्र प्रदेश के चिंतूर इलाके से हरी मिर्च, देसी टमाटर, तुरई, परवल, करेला और स्थानीय साग-सब्जियां बिक्री के लिए आती हैं. वहीं, ओडिशा के मलकानगिरी सीमावर्ती इलाके से फूलगोभी, पत्तागोभी, कद्दू, अरबी और देसी बैंगन बाजार में पहुंचते हैं.

छत्तीसगढ़ की ओर से भिंडी, सीताफल, चौलाई, हरी मटर और खास तौर पर मिलने वाली बांस की कोपलें बाजार की रौनक बढ़ाती हैं. इस तरह एक ही बाजार में तीन राज्यों के खेतों की उपज देखने को मिलती है.

पारंपरिक पहनावे के साथ डिजिटल भुगतान भी

इन बाजारों में परंपरा और आधुनिकता का अनोखा मेल दिखाई देता है. ओडिशा की महिलाएं पारंपरिक संबलपुरी हथकरघा साड़ियों में बाजार पहुंचती हैं, जबकि आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवा जींस और कुर्तियों में नजर आते हैं.

ग्रामीण बाजार होने के बावजूद यहां डिजिटल भुगतान का चलन भी बढ़ा है. लोग स्मार्टफोन से सब्जियों और दूसरी जरूरतों का भुगतान कर रहे हैं.

पुलों ने बदली तीन राज्यों की तस्वीर

शाम को जब सूरज की रोशनी शबरी नदी पर पड़ती है, तो अलग-अलग राज्यों के नंबर प्लेट वाले वाहन अपनी मंजिल की ओर लौटने लगते हैं. इन नदियों पर बने पुलों ने केवल आवागमन आसान नहीं किया, बल्कि तीन राज्यों के किसानों, व्यापारियों और आम लोगों को भी करीब लाया है.

नोटबंदी के 10 साल: नकली नोटों की संख्या में बढ़ोतरी

नोटबंदी का प्रभाव और नकली नोटों की स्थिति

भारत में 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी की गई, जिसमें 500 और 1,000 रुपये के पुराने नोटों को बंद कर दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य नकली नोटों और काले धन पर नियंत्रण पाना था।

अब, नोटबंदी को 10 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन नकली नोटों की समस्या पूरी तरह से समाप्त नहीं हो पाई है। भारतीय रिजर्व बैंक (फ्हक) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक वर्ष में 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या में 20.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

नकली नोटों के आंकड़े

RBI के आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में 10, 50, 100, 200 और 2000 रुपये के नकली नोटों की संख्या में कमी आई, लेकिन 20 और 500 रुपये के नोटों में क्रमशः 47.4 प्रतिशत और 20.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह स्थिति यह सवाल उठाती है कि नोटबंदी के एक दशक बाद भी नकली नोटों की संख्या क्यों बढ़ रही है.



RBI की रिपोर्ट के अनुसार

RBI की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2025-26 में कुल 2,29,746 नकली नोट पकड़े गए, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 2,17,396 थे। 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या 1,17,722 से बढ़कर 1,41,907 हो गई। वहीं, 20 रुपये के नकली नोटों में भी 47.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 253 से बढ़कर 373 हो गए.

बैंकों में नकली नोटों की पहचान

RBI ने यह भी बताया कि 97.6 प्रतिशत नकली नोट, यानी 2,24,334 नोट, विभिन्न बैंकों में पकड़े गए, जबकि केंद्रीय बैंक ने 5,412 नोट पकड़े, जो कुल का 2.4 प्रतिशत है। इन आंकड़ों में पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जब्त किए गए नोट शामिल नहीं हैं.

नकली नोटों की कुल संख्या में वृद्धि

RBI की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में सभी मूल्य के कुल 2,29,746 नकली नोट पकड़े गए, जबकि 2024-25 में यह संख्या 2,17,396 थी। इस प्रकार, एक वर्ष में कुल नकली नोटों की संख्या में लगभग 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. 500 रुपये के नोटों की हिस्सेदारी कुल नकली नोटों में सबसे अधिक रही, जो 61.8 प्रतिशत थी.

शुभमन गिल ने फिर जीता टॉस, हैमिल्टन वनडे में भारत की पहले गेंदबाजी

(जीएनएस)।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे हैमिल्टन में है. बारिश के चलते इस मुकाबले के देरी से शुरू होने के आसार हैं. हैमिल्टन वनडे के लिए दोनों टीमों ने कमर कस रखी है.

मेजबान न्यूजीलैंड पलटवार कर सीरीज में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने की ताक में होगा. वहीं 5 वनडे की सीरीज के शुरूआती 2 मुकाबले जीत चुकी टीम इंडिया हैमिल्टन में जीत के साथ 3-0 की अजेय बढ़त लेना चाहेगी.

हैमिल्टन में बारिश का साया

हैमिल्टन वनडे पर बारिश का



साया लगातार बना है. पूरे दिन आसमान में काले बादल के छाए रहने और बारिश की संभावना है. इससे पहले यहां रात में भी बारिश हुई है. मौसम के इस बेईमान मिजाज को देखते ऐसा कहा जा रहा है कि मैच शुरू होने में देरी हो सकती है.

हैमिल्टन में भारत का वनडे रिकॉर्ड

भारत ने हैमिल्टन में अब तक 12 वनडे खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 3 में से उसे जीत मिली है. वहीं 8 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है. भारत का एक मैच हैमिल्टन में बेनतीजा रहा है.

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M) 9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

सीएम योगी ने की गोरखनाथ मंदिर में गोवर्धन पूजा, गायों को खिलाया गुड़ और केला

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोवर्धन पूजा की. उन्होंने गोवंश को गुड़ और केला खिलाकर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं तथा गाय की रक्षा का संकल्प दोहराया.

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर गोशाला में गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर गोपूजन किया. उन्होंने गायों को गुड़ और केला खिलाकर प्रदेशवासियों को बधाई दी तथा निराश्रित गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की.

(जीएनएस)।

गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में सोमवार की सुबह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोवर्धन पूजा संपन्न की. इस दौरान उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोपूजन किया, गायों को माला पहनाई और अपने



हाथों से गुड़-केला खिलाकर उनका दुलार किया. मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को पर्व की बधाई देते हुए गायों की रक्षा और नस्ल सुधार पर जोर दिया.

गोवंश के लिए चल रही खास स्कीमें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि राज्य सरकार 7,700 से अधिक गोशालाओं के माध्यम से 16 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश का संरक्षण कर रही है. सरकार वर्तमान में तीन प्रकार की स्कीमें चला रही है. पहली स्कीम के तहत सरकारी गोआश्रय स्थल संचालित हैं. दूसरी सहभागिता स्कीम है, जिसमें किसान निराश्रित गाय की देखभाल कर प्रतिमाह 1,500 रुपये प्रति गाय पा सकते हैं.

सड़क पर न हो गाय, यही है ध्येय

सरकार की तीसरी स्कीम ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में स्वयं संचालित होती है. ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन विभाग और नगरीय क्षेत्रों में नगर विकास विभाग 'कान्हा उपवन' के माध्यम से व्यवस्था संभालता है. सीएम योगी ने कहा कि सरकार का मुख्य ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि गाय सड़कों पर न रहें और किसानों की फसल सुरक्षित रहे.

गोसेवा से आती है घर में समृद्धि

सीएम योगी ने भारत को कृषि और ऋषि प्रधान देश बताते हुए कहा कि गाय इसकी आत्मा है. धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों का साधन गोसेवा ही है. उन्होंने नागरिकों से आ'ान किया कि जो लोग गाय नहीं पाल सकते, वे धर्मार्थ गोशालाओं में सहयोग देकर गोसेवा का पुण्य लाभ प्राप्त करें.

यूपी चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ का सियासी दांव: 80-20 फॉर्मूले से विपक्ष को दी चुनौती, 403 में 322 सीटें जीतने का दावा

यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ का 80-20 फॉर्मूला चर्चा में है. सीएम ने 80% वोट और 322 सीटें जीतने का दावा किया है. जानिए क्या है यह राजनीतिक समीकरण.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा अभी से चढ़ने लगा है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी चुनाव से पहले एक बार फिर अपने चर्चित '80-20' फॉर्मूले को सामने रखकर राजनीतिक हलचल तेज कर दी है. उन्होंने दावा किया है कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों यानी एनडीए को चुनाव में 80 प्रतिशत वोट मिलेंगे और विधानसभा की 80 प्रतिशत सीटों पर भी गठबंधन जीत दर्ज करेगा. यूपी विधानसभा की कुल 403 सीटों के हिसाब से यह आंकड़ा करीब 322 सीटों का होता है. मुख्यमंत्री के इस दावे ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सामने नई राजनीतिक चुनौती खड़ी करने की कोशिश की है. यह दावा मुख्यमंत्री ने आजतक पंचायत अयोध्या कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार श्वेता सिंह से बातचीत के दौरान किया. उनसे पूछा गया कि क्या भाजपा 350 सीटों का आंकड़ा पार करेगी? इस पर योगी ने कोई निश्चित सीट संख्या नहीं बताई, लेकिन 80 प्रतिशत वोट और सीटें जीतने का भरोसा जरूर जताया.

क्या है योगी आदित्यनाथ का 80-20 फॉर्मूला?

दरअसल, योगी आदित्यनाथ का 80-20 फॉर्मूला आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के समर्थन को लेकर किया गया राजनीतिक दावा है. मुख्यमंत्री के मुताबिक, 80 प्रतिशत मतदाता राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि के मुद्दों पर भाजपा और एनडीए का समर्थन करेंगे. वहीं, बाकी 20 प्रतिशत मतदाता विपक्ष के साथ जाएंगे. योगी ने अपने बयान में यह भी कहा कि जिन लोगों को दंगा, अराजकता, गुंडागर्दी और माफिया व्यवस्था पसंद है, वे भाजपा के विरोध में जा सकते हैं. इस तरह मुख्यमंत्री ने 80-20 के समीकरण को सीधे राजनीतिक समर्थन और विरोध से जोड़ा है.

403 सीटों में 322 पर जीत का गणित, विपक्ष के खाते में 81 सीटें!

उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 80-20 फॉर्मूले को सीटों के गणित में समझें तो एनडीए के खाते में करीब 322 सीटें और विपक्ष के हिस्से में लगभग 81 सीटें आती हैं.

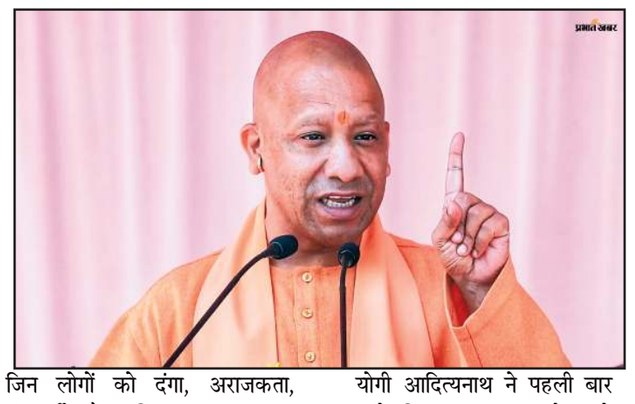
योगी के 80-20 फॉर्मूले का गणित

एनडीए: 80 प्रतिशत यानी करीब 322 सीटें

विपक्षः 20 प्रतिशत यानी करीब 81 सीटें

हालांकि, यह मुख्यमंत्री के दावे के आधार पर निकाला गया गणितीय अनुमान है. योगी आदित्यनाथ ने एनडीए के लिए 322 सीटों का कोई अलग आधिकारिक लक्ष्य घोषित नहीं किया है. इसे चुनावी सर्वे या वास्तविक परिणाम नहीं माना जाना चाहिए.

2022 चुनाव से पहले भी दिया था 80-20 का नारा



योगी आदित्यनाथ ने पहली बार 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले भी 80-20 की चर्चा की थी. उस समय उन्होंने कहा था कि 80 प्रतिशत मतदाता राष्ट्रवाद, सुशासन और विकास के मुद्दों पर भाजपा के साथ रहेंगे, जबकि 20 प्रतिशत विपक्ष की तरफ जाएंगे. अब 2027 के चुनाव से पहले उन्होंने इसी राजनीतिक समीकरण को फिर दोहराया है. हालांकि, इस बार उन्होंने एनडीए और विपक्ष के बीच वोट तथा सीटों के प्रतिशत को लेकर अपना दावा और स्पष्ट किया है.

2017 और 2022 में कैसा रहा भाजपा का प्रदर्शन?

मुख्यमंत्री के इस दावे को पिछले विधानसभा चुनावों के परिणामों के साथ भी जोड़कर देखा जा रहा है.

विस चुनाव भाजपा एनडीए

2017 312 सीटें 325 सीटें

2022 255 सीटें 273 सीटें

2027 **नया चुनाव**

योगी का दावा करीब 322

2022 में भाजपा ने 2017 के मुकाबले अपनी सीटें गंवाई थीं. ऐसे में 2027 में 322 सीटों का अनुमान एनडीए के लिए बड़ी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को दर्शाता है.

अखिलेश यादव के ढऊ्ऊ फॉर्मूले के सामने ठऊ्ऊ का 80-20 दांव

उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का ढऊ्ऊ यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण भी चर्चा में है. दूसरी तरफ भाजपा अपने एनडीए गठबंधन के सामाजिक और राजनीतिक समर्थन को मजबूत करने में जुटी है. योगी आदित्यनाथ ने अक्टूबर 2026 में राज्यसभा चुनाव के घटनाक्रम को भी 2027 के विधानसभा चुनाव से जोड़ते हुए 80 प्रतिशत एनडीए और 20 प्रतिशत पीडीए का दावा किया था. अब नवंबर में उन्होंने फिर इसी फॉर्मूले को दोहराया है.

क्या सच में 80 प्रतिशत वोट हासिल कर पाएगी भाजपा?

यह सबसे बड़ा सवाल है. मुख्यमंत्री का 80-20 फॉर्मूला फिलहाल एक राजनीतिक दावा और चुनावी रणनीति का हिस्सा है. इसे किसी आधिकारिक चुनावी सर्वे या मतदाताओं के वास्तविक आंकड़े के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए. 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा और अन्य दलों के प्रदर्शन का वास्तविक आकलन चुनाव के दौरान मतदाताओं के रुख और अंततः चुनाव परिणाम से ही होगा. फिलहाल इतना साफ है कि यूपी चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ ने 80-20 के नारे के जरिए सियासी मुकाबले का एजेंडा तय करने की कोशिश तेज कर दी है. अब देखना होगा कि अखिलेश यादव समेत विपक्षी दल इस दावे का जवाब किस रणनीति से देते हैं.

लखनऊ में दीपावली पर आग का तांडव, अगरबत्ती से लगी आग में 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

लखनऊ के ठाकुरगंज में अगरबत्ती से लगी आग में बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि आशियाना और विकास नगर में भी भारी नुकसान हुआ.

लखनऊः दीपावली और जमघट के त्योहार पर राजधानी लखनऊ में आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं. ठाकुरगंज, आशियाना, विकास नगर, कुर्सी रोड, कैसरबाग और त्रिवेणी नगर सहित कई इलाकों में आग ने जमकर तबाही मचाई. इन घटनाओं में सबसे दर्दनाक हादसा ठाकुरगंज में हुआ, जहां कमरे में मच्छर भगाने के लिए जलाई गई अगरबत्ती से आग लगने की आशंका है.

इस हादसे में 75 वर्षीय बुजुर्ग मोहम्मद अतीक की सोते समय झुलसकर मौत हो गई, जबकि अन्य घटनाओं में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया.

अगरबत्ती की चिंगारी से लगी आग, बुजुर्ग की मौतः ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के बाबा हजारा बाग में 75 वर्षीय मोहम्मद अतीक अपने घर में अकेले रहते थे. वह मोहम्मद हनीफ के पुत्र थे. रविवार रात उन्होंने कमरे में मच्छर भगाने के लिए अगरबत्ती जलाई थी. आशंका है कि अगरबत्ती की चिंगारी से बिस्तर या पास रखे सामान में आग लग गई और देखते ही देखते पूरे कमरे में आग फैल गई.

कमरे में भर गया धुआं, बाहर निकलने का नहीं मिला मौकाः आग इतनी तेजी से फैली कि कमरे में लपटों के साथ जहरीला धुआं भर गया. सो रहे मोहम्मद अतीक को बिस्तर से उठकर बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला और वह आग की चपेट में



आ गए. कमरे से धुआं उठता देखकर स्थानीय लोगों ने चैनल का ताला तोड़ा और आग बुझाने की कोशिश की. हालांकि, जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी. इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. शुरूआती तौर पर आग लगने की वजह अगरबत्ती की चिंगारी मानी जा रही है.

पटाखे की चिंगारी से कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आगः आशियाना के देवी खेड़ा स्थित एक कबाड़ गोदाम में रविवार रात करीब आठ बजे अचानक आग लग गई. गोदाम से धुआं उठने के साथ ही आग की ऊंची लपटें दिखाई देने लगीं. आशंका जताई जा रही है कि किसी रॉकेट या पटाखे की चिंगारी गोदाम में गिरने से आग लगी. आग की भयावहता को देखते हुए पीजीआई और हजरतगंज सहित कई फायर स्टेशनों से दमकल की छह गाड़ियां मौके पर बुलाई गईं.

ढँङ्ग३ङ्ग उ१ीि३ः एळश ईं१ं३

ठाकुरगंज से लेकर आशियाना तक कई जगहों पर भीषण अग्निकांड. (ढँङ्ग३ङ्ग उ१ीि३ः एळश ईं१ं३)

छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबूः गोदाम में बड़ी मात्रा में कबाड़ होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई. दमकलकर्मियों को आग बुझाने के दौरान कई बार पानी भरवाना पड़ा. करीब छह घंटे तक लगातार मशक्कत करने के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका. राहत की बात रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई.

विकास नगर के प्रभु प्लाजा में शॉर्ट सर्किट से लगी आगः विकास नगर के टेढ़ी पुलिया सब्जी मंडी स्थित तीन मंजिला प्रभु प्लाजा में सोमवार दोपहर करीब तीन बजे आग लग गई. बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर से अचानक धुएं का गुबार उठने लगा. जमघट के चलते बाजार बंद होने के कारण वहां लोगों की आवाजाही कम थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया. आग ने ग्राउंड फ्लोर पर स्थित ओम डेकोर नाम की दुकान को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया.

चार दमकल गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में बुझाई आगः घटना की सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया. करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. इस घटना में दुकान का लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया. सीएफओ अंकुश मित्तल और बिजली विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, शुरूआती जांच में आग लगने की वजह आंतरिक शॉर्ट सर्किट सामने आ रही है.

कुर्सी रोड और कैसरबाग में भी आग से मचा हड़कंपः लखनऊ के कुर्सी रोड इलाके में सब्जी मंडी के सामने स्थित एक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में भी अचानक आग लग गई. आग से आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई. सूचना मिलते ही दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया. समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास की दुकानों को इसकी चपेट में आने से बचा लिया गया.

कैसरबाग और त्रिवेणी नगर में भी उठी आग की लपटेंः कैसरबाग में बंगाली क्लब के पास स्थित एक स्टोर गोदाम में अचानक आग भड़क उठी. दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर पानी की बौछार की और आग को आसपास की घनी आबादी वाली दुकानों तक फैलने से पहले ही बुझा दिया. वहीं, त्रिवेणी नगर में सीतापुर रोड स्थित मूंगफली मंडी के पास कूड़े के बड़े ढेर में आग लगा दी गई. इससे इलाके में धुएं का गुबार फैल गया और राहगीरों के साथ स्थानीय लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई.

दीपावली पर कई इलाकों में आग, दमकल टीमों ने संभाला मोर्चाः दीपावली और जमघट के दौरान राजधानी में आग लगने की इन घटनाओं ने त्योहार की खुशियों के बीच चिंता बढ़ा दी. ठाकुरगंज में एक बुजुर्ग की जान चली गई, जबकि आशियाना और विकास नगर में आग से भारी नुकसान हुआ. इसके अलावा कुर्सी रोड, कैसरबाग और त्रिवेणी नगर में भी दमकल टीमों को आग बुझाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी. हालांकि, दमकलकर्मियों की तत्परता से कई जगह आग को फैलने से रोक लिया गया और बड़े हादसे टल गए.

लखनऊ में छोटे ने बड़े भाई को पीट-पीटकर मार डाला, शव को कुएं में फेंका, आरोपी हिरासत में

दोनों एक साथ शराब पी रहे थे. इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया.

(जीएनएस)।

लखनऊ : नगराम थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम समेसी में शराब के नशे में दो सगे भाइयों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया. खेत में बने छप्पर में शराब पीने के दौरान छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को इस कदर बेरहमी से पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इसके बाद अपराध छिपाने की नीयत से आरोपी ने बड़े भाई के शव को खेत में स्थित कुएं में फेंक दिया और घटना को कुएं में गिरने से हुई मौत का रूप देने की कोशिश की. सूचना पर पहुंची पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल की जांच पड़ताल कर शव को कुएं से बाहर निकलवाया. पुलिस ने हत्यारोपी छोटे भाई को हिरासत में ले लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

समेसी गांव निवासी जियालाल



(54) और उसका छोटा भाई राम अवतार (45) खेत में बने छप्पर में बैठकर शराब पी रहे थे. शराब के अत्यधिक नशे में दोनों के बीच किसी बात को लेकर तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गई. इस दौरान छोटे भाई राम अवतार ने बड़े भाई जियालाल पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे गंभीर चोटें आने के कारण जियालाल की मौके पर ही मौत हो गई.

हत्या के बाद आरोपी राम अवतार ने शव को छिपाने के लिए पास ही बने कुएं में फेंक दिया. सोमवार को जब कुएं में शव होने की सूचना मिली तो थानाध्यक्ष नगराम पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे. अधिकारियों की मौजूदगी में शव को कुएं से बाहर निकलवाया गया.

एडिसीपी दक्षिणी बसंथ कुमार रल्लापल्ली ने बताया, परिजनों की उपस्थिति में शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, ताकि मौत के सटीक कारणों की पुष्टि हो सके. परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है.

जांच में आरोपी राम अवतार द्वारा ही हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. फॉरेंसिक टीम द्वारा मौके से साक्ष्य जुटाए गए हैं और अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है. गांव में कानून और शांति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है.

यूपीः लखनऊ के तीन मंजिला प्रभु प्लाजा में लगी भीषण आग, आसमान में उठा धुएं का गुबार; चार गाड़ियों ने पाया काबू

(जीएनएस)।

लखनऊ, लखनऊ के विकासनगर में टेढ़ी पुलिया सब्जी मंडी के सामने स्थित तीन मंजिला प्रभु प्लाजा में भीषण आग लग गई। धुआं दूसरी मंजिल तक फैल गया। दमकल की चार गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। एहतियातन आसपास के मकान खाली कराए गए। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।



लखनऊ के विकासनगर क्षेत्र में सोमवार दोपहर टेढ़ी पुलिया सब्जी मंडी के सामने स्थित तीन मंजिला प्रभु प्लाजा में भीषण आग लग गई। जमघट के चलते मार्केट बंद थी। दोपहर करीब तीन बजे इमारत के ग्राउंड फ्लोर से धुआं उठना शुरू हुआ और देखते ही देखते आग दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। कुछ ही देर में आसमान में धुएं का घना गुबार दिखाई देने लगा। सूचना पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रभु प्लाजा में कई दुकानें, डायग्नोस्टिक सेंटर और कैफे हैं। त्योहार के कारण मार्केट बंद होने से आग लगने के समय इमारत में लोगों की मौजूदगी नहीं थी। आग की लपटें और धुआं देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ मौके पर जुट गई।

आसपास के मकान कराए गए खाली

आग की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के मकानों को खाली कराया गया। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के साथ आसपास की दुकानों में रखे सामान को भी सुरक्षित बाहर निकलवाया। पुलिस ने मौके पर जुटी भीड़ को हटाकर यातायात सुचारू कराया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने बताया कि इंदिरा नगर और अन्य फायर स्टेशनों से चार गाड़ियां मौके पर भेजी गई थीं। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।वहीं, मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि ट्रांसफार्मर से मीटर तक जांच की गई, वहां कोई गड़बड़ी नहीं मिली। उनके मुताबिक, बिल्डिंग के अंदर शॉर्ट सर्किट से आग लगी। एहतियातन मार्केट की बिजली आपूर्ति काट दी गई है। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

ड्राइवर ने खुदकुशी से पहले बनाए 6 वीडियो, पुलिस बोली- प्रताड़ित कर रही थी दो लड़कियां

लखनऊ में मनीष देशराज नाम के शख्स ने अपनी मौत से पहले वीडियो में आरोप लगाया कि पुलिस चौकी में उनके साथ गाली-गलौज की गई और गोली मारने की धमकी दी गई. डीसीपी ने जांच के आदेश दिए हैं.

लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में कथित तौर से पुलिस की प्रताड़ना से परेशान एक ड्राइवर ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली. मृतक ने जान देने से पहले अपने परिवार को एक के बाद एक करके छह वीडियो भेजे. इसमें उसने दो महिलाओं पर चोरी के झूठे आरोप में फंसाने और पुलिसकर्मियों पर चौकी में गाली-गलौज करने के साथ एनकाउंटर की धमकी देने का आरोप लगाया. मृतक ने वीडियो में कहा कि उसने कोई चोरी नहीं की, फिर भी उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था. घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया.



डीसीपी पश्चिम जितेंद्र श्रीवास्तव का कहना है वो दो लड़कियों के संपर्क में था जो उसे प्रताड़ित कर रही थीं, जिसके खिलाफ मुकदमा लिखा गया है. पुलिस पर जो आरोप लगे हैं, उसकी जांच एसीपी बाजारखाला को सौंपी गई है, जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी.

12 लाख रुपये की चोरी का आरोप

ठाकुरगंज के लालबाग निवासी मनीष देशराज उर्फ छोटू (38) ट्रैवल कारोबार में अपनी गाड़ी चलाते थे. परिवार में पत्नी पिंकी और दो बेटे युवी व ऋषभ हैं. मनीष पिछले दो साल से नेहा और सपना नाम की महिलाओं को गाड़ी से लाने-ले जाने का काम करते थे. आरोप है कि दो दिन पहले दोनों महिलाओं ने उन पर 12 लाख रुपये की चोरी का आरोप लगाया था. इसके बाद पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए चौकी बुलाया था.

वीडियो में गोली मारने की धमकी देने का आरोप

मनीष देशराज ने अपने वीडियो में आरोप लगाया कि भुवर चौकी पर बुलाने के बाद पुलिसकर्मी उन्हें पारा की शाहदरा चौकी ले गए. वहां उनके साथ गाली-गलौज की गई और एनकाउंटर कर गोली मारने की धमकी दी गई. उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी बार-बार गोली मारने की बात कह रहे थे। इससे वह बुरी तरह डर गए थे. उनका कहना था कि जब उन्होंने कोई चोरी नहीं की तो वह पैसे क्यों दें.

घर के पास खेल रही थी 6 साल की मासूम, फिर अचानक हुई लापता! कुछ देर बाद सामने आई ऐसी खबर कि पूरे इलाके में मच गया हड़कंप

(जीएनएस)।

राजस्थान के सिरोही जिले के शिवगंज इलाके से एक बेहद गंभीर और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि 6 साल की एक बच्ची के साथ यौन अपराध किया गया। घटना की जानकारी सामने आते ही परिवार में हड़कंप मच गया और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।



बताया जा रहा है कि बच्ची के परिवार ने घटना के बाद पुलिस से शिकायत की। इसके आधार पर आरोपी के खिलाफ POCSO कानून समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामला सामने आने के बाद बच्ची को जरूरी मेडिकल सहायता दिलाई गई। पुलिस की जांच का फोकस अब यह पता लगाने पर है कि घटना आखिर किन परिस्थितियों में हुई और आरोपी तक पहुंचने के लिए कौन-कौन से सबूत मौजूद हैं।

ऐसे मामलों में ढडउरड कानून के तहत बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए विशेष प्रावधान होते हैं। पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच आगे बढ़ाने की बात कही है।

फिलहाल इस मामले में जांच जारी है और पुलिस सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। बच्ची और उसके परिवार की पहचान से जुड़ी संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है।

'ब्लैक सी में फूड कॉरिडोर के लिए मध्यस्थता करेगा भारत': पीएम मोदी से बात कर जेलेंस्की का ऐलान

भारत काला सागर के रास्ते खाद्य गलियारे को फिर से खोलने के लिए रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता करने को तैयार है। यह दावा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत के बाद किया है। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्धविराम के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

(जीएनएस)।

कीवः यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने ऐलान किया है कि भारत काला सागर (ब्लैक सी) में फूड कॉरिडोर के लिए मध्यस्थता करने को तैयार है। उन्होंने यह दावा सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद किया है। इस बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि रूस के साथ जारी संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए किए जा रहे प्रयासों में भारत योगदान देने के लिए तैयार है। उनकी यह बातचीत विदेश मंत्री एस जयशंकर के कीव दौरे के बाद हुई है। अपने दौरे पर जयशंकर ने रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की मध्यस्थता का ऑफर भी दिया था, जिसका दोनों देशों ने समर्थन किया है।

जेलेंस्की ने पीएम मोदी से बात कर क्या कहा?

जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और उन्हें हाल के



राजनयिक घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी। हम अबू धाबी में होने वाली बैठक के एजेंडे में शामिल हर मुद्दे पर सक्रिय रूप से तैयारी कर रहे हैं। यूक्रेन ने हमेशा एक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है, और रूस को भी तनाव कम करने के लिए वैसी ही तत्परता दिखानी चाहिए।" जेलेंस्की ने आगे कहा, "प्रधानमंत्री (मोदी) ने कई बार - यहां तक कि रूसी नेता (पुतिन) से सीधे तौर पर भी - कहा है कि अब युद्ध को खत्म करने का समय है, न कि इसे जारी रखने का।"

1-ब्लैक सी फूड कॉरिडोर यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद वैश्विक खाद्य संकट से निपटने के लिए बनाया गया एक सुरक्षित समुद्री मार्ग था। हालांकि, काला सागर के युद्ध के मैदान बनने और रूस के हमले के बाद इस कॉरिडोर को बंद करना पड़ा था।

2 यूक्रेन दुनिया के सबसे बड़े अनाज निर्यातक देशों में से एक है। यूक्रेन पूरी दुनिया को बड़ी मात्रा में गेहूं, मक्का और सूरजमुखी का तेल निर्यात करता है। ये निर्यात मुख्य रूप से ओडेसा, चोनोमीरस्क और युझनी/पिवडेनी बंदरगाह से किए जाते थे।

3 भारत अब वैश्विक खाद्य संकट को दूर करने के लिए इस गलियारे को फिर से खोलने के लिए रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता करेगा। अगर यह गलियारा खुल जाता है तो इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत माना जा सकता है।

ब्लैक सी फूड कॉरिडोर के लिए मध्यस्थता करेगा भारत

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, "यह महत्वपूर्ण है कि भारत यह पहचाने कि वह कौन से कदम उठा सकता है और युद्ध को समाप्त करने में मदद के लिए अन्य नेताओं के साथ किस तरह की बातचीत कर सकता है। खाद्य सुरक्षा ऐसा ही एक क्षेत्र हो सकता है। हमने इस बात पर चर्चा की कि कैसे रूस ने काला सागर (ब्लैक सी) के रास्ते अनाज के निर्यात को रोक रखा है। भारत 'फूड कॉरिडोर' (खाद्य गलियारे) स्थापित करने में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है, और हमें उम्मीद है कि ये प्रयास जारी रहेंगे।"

'चिंता मत करिए, किसी का इलाज नहीं रुकेगा', सीएम योगी ने गोरखपुर में लगाया जनता दर्शन,125 फरियादियों की सुनीं समस्याएं

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने गोरखपुर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया. इस दौरान मुख्यमंत्री ने 125 लोगों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्र लिए. सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं का त्वरित, संवेदनशील और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने आए लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का भी इलाज नहीं रुकेगा और सरकार इसके लिए तुरंत धनराशि उपलब्ध कराएगी.

(जीएनएस)।

गोरखपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने गोरखपुर प्रवास के दौरान हमेशा की तरह सोमवार सुबह आम जनता के बीच पहुंचे. मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने जनता दर्शन (खंल्लइं ऊंश्रैंल्ल) कार्यक्रम का आयोजन किया. इस दौरान दूर-दराज से अपनी फरियाद



लेकर पहुंचे लोगों की लंबी कतारें देखी गईं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद चलकर एक-एक फरियादी के पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनसे संबंधित प्रार्थना पत्र स्वीकार किए.

125 लोगों से मिले सीएम योगी, दिया त्वरित समाधान का निर्देश

इस जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुल 125 लोगों से सीधे मुलाकात की. सीएम ने वहां मौजूद फरियादियों की समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा, 'आप लोग बिल्कुल चिंता मत करिए. सरकार हर समस्या पर प्रभावी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी.' मुख्यमंत्री ने पास में खड़े प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं के प्रति पूरी संवेदनशीलता दिखाएं. उन्होंने प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों को संदर्भित करते हुए हिदायत दी कि समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण तरीके से संतुष्टिपरक होना चाहिए.

इलाज के लिए धन की कमी नहीं होने देगी सरकारः योगी आदित्यनाथ

जनता दर्शन में हमेशा की तरह इस बार भी कई लोग ऐसे थे, जो अपने या अपने परिजनों के गंभीर इलाज के लिए सरकार से आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे. मुख्यमंत्री ने ऐसे सभी फरियादियों को पूरी तरह से आश्वस्त किया कि प्रदेश में धन के अभाव में किसी भी मरीज का इलाज नहीं रुकेगा. उन्होंने अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद लोग हैं, उनके उच्चस्तरीय इलाज के लिए संबंधित अस्पताल से जल्द से जल्द एस्टीमेट (खर्च का अनुमान) बनवाया जाए. मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार को एस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए आवश्यक धनराशि तुरंत जारी कर दी जाएगी.

बच्चों को दिया दुलार और बांटी चॉकलेट

जनता दर्शन कार्यक्रम में अपनी फरियाद लेकर कुछ महिलाएं अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ भी पहुंची थीं. जन समस्याओं को सुनने के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्नेहिल और बाल-सुलभ रूप भी देखने को मिला. मुख्यमंत्री ने इन महिलाओं के साथ आए बच्चों को अपने पास बुलाकर उन्हें खूब प्यार और दुलार किया, अपना आशीर्वाद दिया और उपहार स्वरूप उन्हें चॉकलेट भी बांटीं. सीएम योगी की इस आत्मीयता से वहां मौजूद लोग काफी प्रभावित नजर आए.

लखनऊ में जमघट पर आसमान में उड़ीं पतंगें:मोदी-योगी की तस्वीरों वाली पतंग खरीदी, चाइनीज मांझे का बहिष्कार किया

(जीएनएस)।

लखनऊ में दीपावली के दूसरे दिन जमघट पर लोगों ने जमकर पतंगबाजी की। इस साल की पतंगें कुछ खास रहीं। कहीं मोदी-योगी की तस्वीर वाली पतंग उड़ाई तो कहीं स्लोगन लिखीं पतंगें उड़ीं। एक पतंग पर लिखा था- 'पतंग उड़ाएं जिंदगी नहीं'।

इस साल पतंग व्यापारियों ने चाइनीज मांझे का पूरी तरीके से बहिष्कार किया है। कुछ पतंगों पर इससे जुड़ा स्लोगन भी लिखा है। जैसे- 'चाइनीस मांझा को ठड्ढ कहें, सिर्फ सूती डोर का इस्तेमाल करें'। पतंगबाजी का जमघट सबसे ज्यादा चौक में लगा।

पतंगबाज वसी हैदर ने कहा कि आज के दिन का पूरे साल इंतजार रहता है। हिंदू-मुस्लिम सभी धर्म के लोग मिलकर पतंग उड़ाते हैं। लखनऊ में पतंग के जरिए गंगा-जमुनी तहजीब का संदेश दिया जाता है।

लोगों ने छतों से पतंग उड़ाई।

1775 से शुरू हुई परंपरा

लखनऊ में पतंगबाजी का ये चलन आज का नहीं, बल्कि 250 साल पुराना है। 1775 में नवाब आसिफ-उद-दौला के समय में लखनऊ में पतंगबाजी परवान चढ़ी थी। पतंग का इस्तेमाल मनोरंजन के साथ अंग्रेजों के खिलाफ विरोध के लिए भी किया गया था। प्रेमी अपनी प्रेमिका को पतंग पर संदेश लिखकर उनकी छत पर भेजा करते थे। अब लखनऊ में बनी पतंगें विदेशों तक जाती है।

5 रुपए से 500 तक की पतंग



पतंगों में एक दर्जन से ज्यादा वैराइटी है। जिसकी कीमत 5 रुपए से लेकर 500 तक है। रॉकेट, मंजोली, अध्धी, पौना, चांद-तारा, बाज, कली दार और प्लास्टिक पतंग की खूब मांग है। चाइनीज मांझे का व्यापारी और पतंगबाज दोनों ही विरोध कर रहे हैं।

जमघट पर रंग-बिरंगी पतंगों का क्रेज।

सऊदी अरब तक जाती है लखनऊ की पतंग, हुसैनगंज क्षेत्र में पतंग का व्यापार करने वाले मोहम्मद सलमान ने बताया कि 35 साल पुरानी दुकान है। अपने दादा से पतंग बनाना और उड़ाना सीखा। उत्तर प्रदेश में कहीं भी पतंग प्रतियोगिता होती है, तो पर्यटन विभाग की ओर से इन्हें हिस्सा लेने के लिए पतंगबाजी में भेजा जाता है।

अब पतंग में यह परिवर्तन आया है। साइज में छोटी हो गई है और इसको उड़ाने के लिए जिस धागे का इस्तेमाल होता है। लखनऊ में बनने वाली पतंग पूरे भारत की सबसे बेहतरीन पतंग मानी जाती है। सलमान की बनाई हुई पतंग सऊदी अरब, दुबई तक जाती है।

मोहम्मद सलमान ने बताया कि लखनऊ की पतंग दुबई तक जाती है।

उन्होंने बताया कि लगातार चाइनीज मांझा से हादसे हो रहे हैं। चाइनीज मांझे के विरोध में सभी व्यापारी भी हैं इसलिए इस बार अपनी दुकान से 'नो चीनी मांझा' का मैसेज दे रहे हैं , और इसी थीम पर पतंग भी उड़ रही है। इन्होंने कहा कि इस चाइनीस मांझा की वजह से लखनऊ की जो 250 साल पुरानी पतंगबाजी की संस्कृति और शौक है वह भी बदनाम हो रही है।

'पतंग दूसरी बीवी की तरह है

52 साल के मेराज अहमद फरीदी बताते हैं कि वह काइट लवर हैं। पिछले 30 सालों से लगातार पतंग उड़ा रहे हैं। बताया कि जमघट की रात उन्हें नींद नहीं आती है। बस सुबह का इंतजार रखता है। यह एक ऐसा पर्व है जिसे लखनऊ में हर धर्म के लोग मानते हैं। बचपन में पिताजी हमारे पतंग उड़ाने को लेकर बहुत नाराज होते थे।

पिता ने पीटा, फिर भी पतंगबाजी का शौक नहीं छूटा

एक बार उन्होंने पतंग के लिए इस कदर इन्हें पीटा की सिर फट गया, फिर भी पतंगबाजी का शौक नहीं छूटा। कहते हैं कि पतंग दूसरी बीवी की तरह है। मिराज ने कहा कि पतंग सिर्फ शौक नहीं बल्कि एक्सरसाइज भी है। 52 साल की उम्र में बिल्कुल फिट हैं, इसका श्रेय पतंगबाजी पर जाता है। उन्होंने बताया कि पतंग उड़ाने से हाथ खूब चलते हैं। आंखों की और शरीर की भी एक्सरसाइज हो जाती है।

बहू को चढ़ा आईफोन का ऐसा शौक, सास के गहने चुराकर बेच दिए, उसी से खरीदा फोन; एफआईआर दर्ज

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के नागपुर से चोरी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां महंगे ढँड्ढल्ली का शौक पूरा करने के लिए एक बहू पर अपनी ही सास के सोने के गहने चोरी करने का आरोप लगा है. आरोप है कि बहू ने अलमारी में रखे 53 ग्राम सोने के गहने चुराए और उन्हें बेचकर मिले पैसों से अस्रस्र ढँड्ढल्ली खरीद लिया.

मामला सामने आने के बाद परिवार में हड़कंप मच गया. सास की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने बहू के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है.

यह मामला नागपुर के शांतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र का है. शिकायतकर्ता राधा वर्मा शिरडी की यात्रा पर जाने की तैयारी कर रही थीं. इसी दौरान उन्होंने यात्रा के लिए अपने सोने के गहने निकालने का फैसला किया. जब उन्होंने अलमारी में रखे लॉकर को खोला, तो वहां से सोने के गहने गायब थे. लॉकर में रखे करीब 53 ग्राम सोने के गहने नहीं मिलने से राधा वर्मा परेशान हो गईं. उन्होंने घर में गहनों की तलाश की, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला. इसके बाद उन्हें घर के ही किसी सदस्य पर शक होने लगा.



बहू पर हुआ शक, पूछताछ में चोरी की बात कबूली

गहने गायब होने के बाद राधा वर्मा को अपनी बहू ग्रंथाली आकाश वर्मा पर शक हुआ. बताया जा रहा है कि बहू के खिलाफ पहले भी चोरी का एक मामला दर्ज हो चुका था. इसी वजह से सास का शक और गहरा हो गया.

इसके बाद राधा वर्मा ने बहू से गहनों के बारे में पूछताछ की. आरोप है कि शुरूआत में मामला टालने के बाद बहू ने कथित तौर पर गहने चोरी करने की बात स्वीकार कर ली. उसने सास को भरोसा दिलाया कि वह जल्द ही उनके गहने वापस कर देगी.

हालांकि, सास ने कई बार गहने लौटाने के लिए कहा, लेकिन बहू ने उन्हें वापस नहीं किया. काफी इंतजार के बाद भी जब गहने नहीं मिले, तो राधा वर्मा ने पुलिस से शिकायत करने का फैसला किया.

पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद मामले की जांच शुरू हुई. पुलिस पूछताछ में कथित तौर पर सामने आया कि ग्रंथाली ने चोरी किए गए सोने के गहने बेच दिए थे. उनसे मिले पैसों का इस्तेमाल उसने महंगा अस्रस्र ढँड्ढल्ली खरीदने के लिए किया.

इस खुलासे के बाद परिवार के लोग भी हैरान रह गए. जिस बहू पर घर के सदस्य के तौर पर भरोसा किया गया, उसी पर सास की जीवनभर की जमा-पूंजी चोरी करने का आरोप लगा है. फिलहाल शांतिनगर पुलिस ने राधा वर्मा की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि 53 ग्राम सोने के गहने कहां बेचे गए, उन्हें बेचकर कितनी रकम मिली और उस पैसे से खरीदे गए मोबाइल की भी जांच की जा रही है. मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

कौन है डाना व्हाइट? जिसने ऑफर ठुकराया, ट्रंप ने फिर उसी से भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा-प्रेस सेक्रेटरी बनोगे

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बार फिर से वक्रछ के उएड डाना व्हाइट को प्रेस सेक्रेटरी बनने का ऑफर दिया. ट्रंप ने व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डाना व्हाइट से प्रेस सेक्रेटरी का रोल निभाने के लिए कहा.

हालांकि, डाना ने व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव बनने के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया. उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि वह राजनीति में नहीं आना चाहते हैं.

दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के जेम्स एस ब्रैडी ब्रीफिंग रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने डाना व्हाइट को पत्रकारों के सामने पेश किया. डाना और ट्रंप पुराने दोस्त और एक दूसरे के काफी करीबी हैं. इससे पहले शनिवार को सोशल मीडिया पर ट्रंप ने डाना को यह ऑफर दिया था, हालांकि, बाद में उन्होंने कहा था कि वे 'मजाक' कर रहे थे.

डाना के ऑफर ठुकराने पर क्या बोले ट्रंप?

ट्रंप, व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस



कर रहे थे, और उनके सामने ही ब्लैक टी-शर्ट में डाना व्हाइट बैठे थे. ट्रंप ने कहा, 'मैं आपसे एक बड़ा सवाल पूछता हूं. डाना, क्या आप यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के प्रेस सेक्रेटरी बनना चाहेंगे... या आप बस इस बेकार UFC के साथ रहना चाहेंगे?' इसपरडाना व्हाइट ने कहा, 'ऑफर के लिए धन्यवाद, सर. मैं पॉलिटिक्स में नहीं रहना चाहता.'

डाना व्हाइट की ओर से प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि 'यह सुनकर मैं बहुत दुखी हूं.' इसके बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस बंद कर दी और सबको अलविदा कहते हुए निकल गए.

कौन है UFC के CEO डाना व्हाइट?

डाना व्हाइट, अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (UFC) के अध्यक्ष और उएड हैं. डाना 2001 से UFC का नेतृत्व कर रहे हैं. उनके नेतृत्व में UFC आज दुनिया के सबसे बड़ा मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (MMA) संगठन है. UFC की शुरूआत 1993 में हुई थी, लेकिन यह आर्थिक तंगी से गुजर रहा था. इसके बाद साल 2000 में डाना के बचपन के दोस्त ने उनके कहने पर इसे खरीद लिया था.

57 साल के डाना व्हाइट, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भी पुराने दोस्त हैं. उन्होंने इस साल की शुरूआत में व्हाइट हाउस के लॉन में एक बड़े UFC मैच को होस्ट करने में मदद की भी थी. UFC के पास दुनिया के सबसे बेहतरीन और टॉप-रैंक वाले फाइटर्स हैं.

व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी का पद अभी खाली

अमेरिका के व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी का पोस्ट अभी खाली है. इसी साल अगस्त में कैरोलिन लेविट के पद छोड़ने के बाद से यह पद खाली हुआ था, वह करीब डेढ़ साल प्रेस सेक्रेटरी रहीं. हालांकि, इसके बाद अक्टूबर में केटी जकारिया को प्रेस सेक्रेटरी बनाया गया था. लेकिन एक हफ्ते से भी कम समय तक पद पर रहने के बाद16 अक्टूबर को उन्होंने इसे अलविदा कह दिया था.

कागजों पर 'मार' दिए 22 जिंदा लोग! तेलंगाना में फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनाकर इंश्योरेंस कंपनियों को कैसे लगाया चूना?

(जीएनएस)।

तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले में फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनाकर इंश्योरेंस के पैसे हड़पने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां जिंदा लोगों को सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखाकर उनके नाम से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार किए गए.

फिर इन प्रमाण पत्रों के आधार पर इंश्योरेंस कंपनियों से लाखों रुपये की रकम क्लेम करने का आरोप है. शुरूआती जांच में सामने आया है कि इस पूरे खेल में सरकारी डिजिटल सिग्नेचर सिस्टम का दुरुपयोग किया गया. मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. इनमें एक पूर्व पंचायत सचिव और दूसरा हैदराबाद का इंटरनेट सेंटर संचालक है.

इस मामले में चेरियाल मंडल के रामपुर ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव के पद पर काम कर चुके भूक्या मधु और हैदराबाद के इंटरनेट सेंटर संचालक रमेश के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. आरोप है कि पंचायत सचिव रहते हुए भूक्या मधु को सरकारी कामकाज के लिए ई-साइन डोंगल दिया गया था. इस डोंगल के जरिए सरकारी डिजिटल सिग्नेचर का इस्तेमाल किया जा सकता था. आरोप है कि मधु ने नियमों को ताक पर रखकर यह डोंगल निजी व्यक्ति रमेश को बेच दिया. इसके बाद रमेश ने पंचायत सचिव के डिजिटल सिग्नेचर का इस्तेमाल कर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार किए.

फरवरी 2026 से अब तक 22 फर्जी सर्टिफिकेट

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, फरवरी 2026 से अब तक करीब 22 फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनाए गए हैं.



इनमें ऐसे लोगों को मृत दिखाया गया, जो वास्तव में जिंदा हैं. इन प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस क्लेम किए जाने की बात भी सामने आई है. जांच में यह आशंका जताई गई है कि इस घोटाले के पीछे सुनियोजित साजिश थी. बताया जा रहा है कि पहले परिवार के सदस्यों के नाम पर इंश्योरेंस पॉलिसी ली जाती थी. इसके बाद उनके जिंदा रहते हुए ही फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा दिए जाते थे. फिर इन दस्तावेजों को इंश्योरेंस कंपनियों में जमा कर बीमा की रकम हासिल करने का प्रयास किया जाता था.

पंचायत सचिव को भी कमीशन मिलने का शक

इस पूरे मामले में पंचायत सचिव रहे भूक्या मधु की भूमिका भी जांच के दायरे में है. आरोप है कि सरकारी डिजिटल सिग्नेचर का दुरुपयोग करने के बदले उसे भी कमीशन मिला था. हालांकि, इस घोटाले में कितने लोग शामिल हैं और अब तक कितनी रकम का इंश्योरेंस क्लेम किया गया है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है.

MPDO कार्यालय की शिकायत पर केस दर्ज

घोटाले का खुलासा होने के बाद चेरियाल मंडल परिषद विकास अधिकारी (MPDO) कार्यालय की ओर से मंडल पंचायत अधिकारी (MPO) ने चेरियाल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई.

शिकायत के आधार पर पुलिस ने भूक्या मधु और रमेश के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इन प्रमाण पत्रों के आधार पर कितने इंश्योरेंस क्लेम किए गए और सरकारी डिजिटल सिग्नेचर का कहीं और भी दुरुपयोग तो नहीं हुआ. पुलिस को आशंका है कि जांच आगे बढ़ने पर इस घोटाले से जुड़े कई और खुलासे हो सकते हैं.

बेडरूम में सो रहा था पति. प्रेमी के संग मिलकर पत्नी ने गला घोंटा, फिर घरवालों से बोली- हार्ट अटैक आया; कैसे खुली पोल?

(जीएनएस)।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में अवैध संबंधों के चलते हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी. हत्या के बाद उसने ऐसी कहानी गढ़ी कि शुरूआत में किसी को उस पर शक तक नहीं हुआ.

महिला ने परिवार वालों को बताया कि उसके पति की मौत हार्ट अटैक से हुई है. वह शव के सामने बैठकर रोने का नाटक भी करती रही.

पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने उसकी साजिश का पदार्फाश कर दिया. पुलिस ने इस मामले में पत्नी अनिता और उसके प्रेमी मधुसूदन को गिरफ्तार कर लिया है.



मामले की जांच इलेक्ट्रॉनिक सिटी पुलिस कर रही है. पुलिस के मुताबिक, 12 अक्टूबर की आधी रात बेंगलुरु के डोड्डाथोगुर इलाके में उपेंद्र (40) की घर में मौत हो गई थी. पति की मौत के बाद पत्नी अनिता ने परिवार के लोगों को बताया कि वह फिसलकर गिर गए थे और इसके बाद हार्ट अटैक आने से उनकी मौत हो गई. उसने परिजनों के सामने इसी कहानी को दोहराया. इतना ही नहीं, वह पति के शव के सामने बैठकर रोने का नाटक भी करती रही. शुरूआत में मामला सामान्य मौत का लग रहा था. इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक सिटी पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी.

'चीन के किन दो मंत्रियों से मिले थे राहुल गांधी?', निशिकांत दुबे ने 2018 की कैलाश मानसरोवर यात्रा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की 2018 की कैलाश मानसरोवर यात्रा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि राहुल गांधी चीन के किन दो मंत्रियों से मिले थे? दुबे ने एक्स पर पोस्ट में सवाल किया कि जब किसी भारतीय सांसद को कैलाश मानसरोवर जाने की अनुमति नहीं मिलती, तो कांग्रेस नेता को यह अनुमति कैसे मिली।



दुबे ने पूछा, "सवाल 1. राहुल गांधी जी, 2018 में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने के दौरान आप चीन के किन दो मंत्रियों से मिले थे? 2. @आइएनसीइंडिया और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच 2008 में हुए समझौते के बाद 2018 तक आपने आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत चीन में किन 200 लोगों को भेजा? उनके नाम और पते क्या हैं?"

भाजपा सांसद ने सवाल किया,"चीन के दो मंत्रियों के साथ उनकी मुलाकातों की व्यवस्था किसने की थी?

वह किन चीनी मंत्रियों से मिले थे और ये मुलाकातें कहां हुई थीं? इन बातचीत में क्या चर्चा हुई थी?"